



INTERNATIONAL JOURNAL OF POLITICAL SCIENCE AND GOVERNANCE

E-ISSN: 2664-603X

P-ISSN: 2664-6021

Impact Factor (RJIF): 5.92

IJPSC 2025; 7(10): 229-231

www.journalofpoliticalscience.com

Received: 01-08-2025

Accepted: 04-09-2025

ऋतू शर्मा

शोधार्थी, लोक प्रशासन विभाग,
संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा,
राजस्थान, भारत

राजस्थान में महिला स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के प्रभाव

ऋतू शर्मा

DOI: <https://doi.org/10.33545/26646021.2025.v7.i10c.729>

सारांश

भारत एक विविधताओं वाला देश है जहाँ प्रत्येक राज्य की अपनी विशेषता है। इसके साथ ही प्रत्येक राज्य की अपनी समस्या है। राजस्थान में भौगोलिक विविधता के कारण स्वास्थ्य हमेशा से एक विकट विषय रहा है। राजस्थान में रेगिस्तान, अरावली का पहाड़ी क्षेत्र और जनजातीय क्षेत्र स्वास्थ्य के मामले में राजस्थान को पीछे धकेलते हैं। इसमें में सीमांत समूह के रूप में महिलाओं का स्वास्थ्य एक संवेदनशील विषय रहा है। भारत सरकार के साथ-साथ राजस्थान सरकार ने समय-समय पर विभिन्न योजनाओं का सञ्चालन कर इस विषय में सुधार का प्रयास किया है जिसके परिणामस्वरूप आज राजस्थान में महिला स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार देखा जा सकता है। प्रस्तुत शोध में राजस्थान में महिला स्वास्थ्य की स्थिति का भारत के सन्दर्भ में तुलनात्मक आँकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। राजस्थान में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के प्रांगंभ होने के बाद किए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) के पांचवे दौर का सर्वे के आधार पर महिला स्वास्थ्य में हुए सुधार का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। महिला स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण घटकों की स्थिति को पूर्व से तुलना करते हुए उनकी वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

कुठशब्द: स्वास्थ्य, महिला स्वास्थ्य, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, संस्थागत प्रसव, मातृ मृत्युदर

प्रस्तावना

“आरोग्यं परम् भाग्यं, स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्।”

अर्थात् निरोगी होना परम सौभाग्य है क्योंकि स्वास्थ्य ही सभी कार्यों को सिद्ध करने वाला होता है। मनुष्य के जीवन के साथ ही स्वास्थ्य का महत्व प्रारम्भ हो जाता है। अतः प्रत्येक सभ्यता में इससे सम्बंधित अवलोकन, अनुभव एवं शोध के आधार पर एक जीवनशैली का विकास किया है जिससे शरीर को स्वास्थ्य रख जा सके। स्वास्थ्य मनुष्य की प्रथम आवश्यकताओं में से एक है। भारत में तो पहला सुख निरोगी काया को ही माना गया है। भारत के पश्चिमी भाग में स्थित राजस्थान अपनी सांस्कृतिक, भौगोलिक और सामाजिक विभिन्नताओं एवं गौरवशाली इतिहास के रूप में जाना जाता है। भौगोलिक और सामाजिक विभिन्नताओं, जिनमें अरावली के दुग्गी क्षेत्र में रहने वाले समाज, सुदूर रेगिस्तान में रहने वाले समाज, आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले समाज और अन्य ऐसे ही क्षेत्रों में रहने वाले वंचित वर्ग के समाज में मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सामाजिक और शारीरिक कमियां पाया जाना स्वाभाविक है। इन्हीं कारणों से राजस्थान में महिला और बाल स्वास्थ्य से सम्बंधित समस्याएँ भी पाई जाती हैं।

राजस्थान में महिला स्वास्थ्य की स्थिति

महिला एवं बाल स्वास्थ्य में सुधार के मामले में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में से है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) के पांचवे दौर का सर्वे वर्ष 2019-21 के बीच में राजस्थान के 31,817 परिवारों की 42,990 महिलाओं और 6,353 पुरुषों पर किया गया जिसमें यह ज्ञात होता है कि राज्य ने इस मामले में और भी सुधार किया है।

राजस्थान में मातृ एवं बाल स्वास्थ्य के संकेतकों का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि राज्य राष्ट्रीय औसत से प्रत्येक संकेतक में पीछे है। यद्यपि राज्य में प्रत्येक संकेतक का यह स्तर 2005 से अब तक बहुत बढ़े स्तर पर सुधारा है जिसमें मातृ मृत्युदर 318 से 164 पर तथा शिशु मृत्यु दर 68 से 35 पर आ गई है तथापि यह अब भी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है जो कि चिंता का विषय है। वर्ष 2005 में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 66.5 थी जो अब 68.7 हो गई है। कुल प्रजनन दर में वर्ष 2005 में 3.7 के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई है जो कि वर्तमान में 2.5 ही रह गई है।

Corresponding Author:

ऋतू शर्मा

शोधार्थी, लोक प्रशासन विभाग,
संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा,
राजस्थान, भारत

सारणी 1: राजस्थान में महिला और बाल संकेतकों की स्थिति

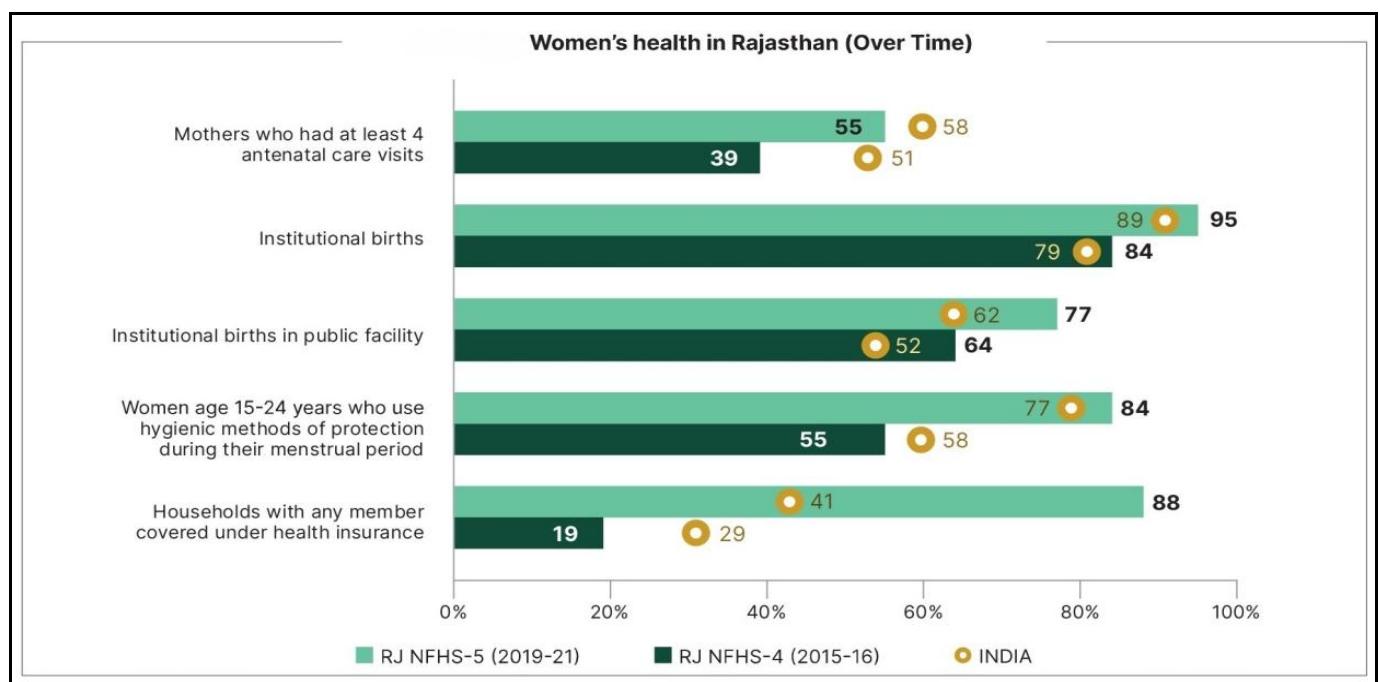
क्र. स.	संकेतक	राजस्थान	भारत
1.	शिशु मृत्युदर	35	30
2.	अशोधित मृत्युदर	5.7	6
3.	अशोधित जन्मदर	23.7	19.7
4.	मातृ मृत्युदर	164	113
5.	नवजात मृत्युदर	26	23
6.	पाँच वर्ष के अन्दर मृत्युदर	40	36
7.	मृत जन्मदर	6	4
8.	कुल प्रजनन दर	2.5	2.2
9.	जन्म के समय जीवन प्रत्याशा	68.7	69.4
10.	जन्म के समय लिंगानुपात	871	899
11.	जीवित जन्म की रिपोर्ट (%)	98.2	98.8
12.	2.5 किलो से कम के नवजात (%)	14.5	12.4
13.	जीवित जन्म के एक घटे के अन्दर स्तनपान (%)	87.6	89.9

स्रोत: हेल्थ डोसियर 2021: रिफ्लेक्शन ऑन की हेल्थ इंडीकेटर्स-राजस्थान, नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर, पृष्ठ 6-8

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के प्रभाव

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) के पांचवे दौर के सर्वे के अनुसार राजस्थान संस्थागत प्रसव, मासिक धर्म सुरक्षा के तरीकों और स्वास्थ्य बीमा तक पहुँच के मामलों में राष्ट्रीय औसत से बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, जहाँ लगभग 95 प्रतिशत प्रसव संस्थागत होते हैं, 84 प्रतिशत महिलाएं मासिक धर्म

सुरक्षा के स्वच्छ तरीकों का उपयोग करती हैं, और 88 प्रतिशत परिवारों का एक सदस्य स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत आता है। इसके अलावा, महिला स्वास्थ्य के संकेतकों में ग्रामीण-शहरी प्रदर्शन में कोई अंतर नहीं दिखाई देता है, जो राजस्थान के मजबूत शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा ढाँचे द्वारा संभव हुई व्यापक प्रगति का संकेत देता है।

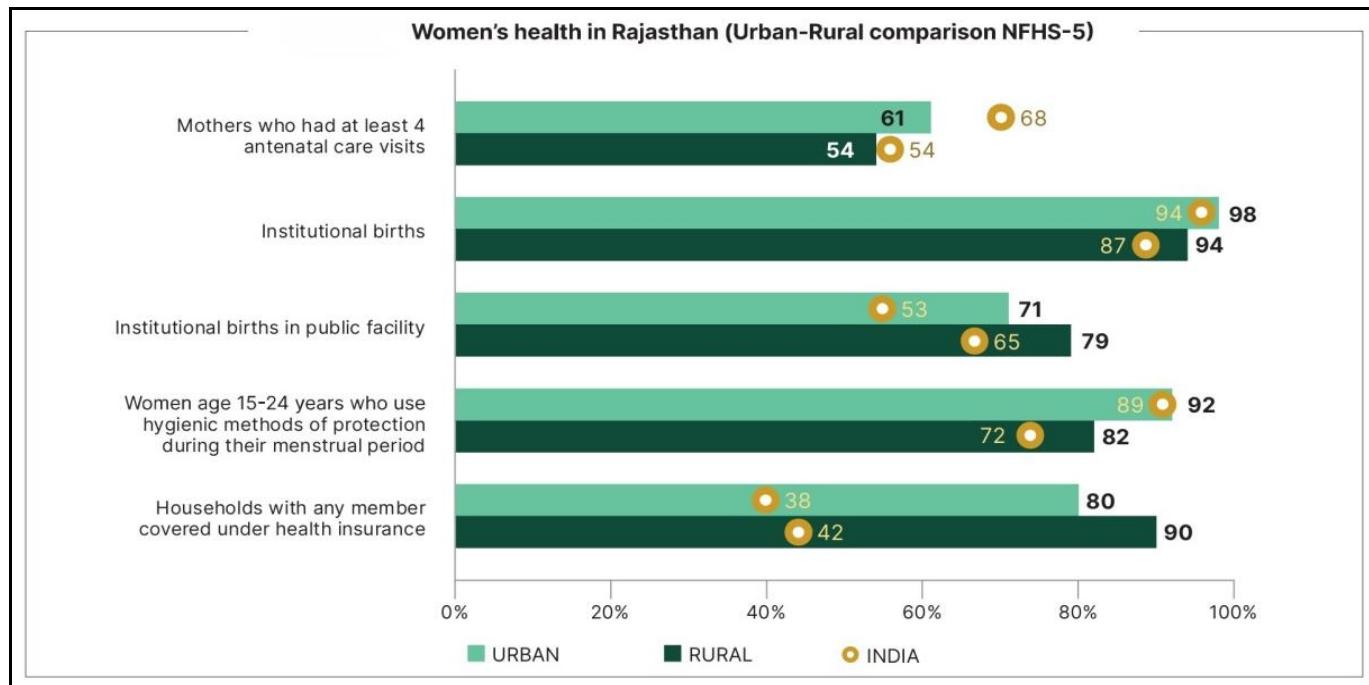


स्रोत: इनसाईट फ्रॉम NFHS-5 फॉर राजस्थान : वीमेन एंड चिल्ड्रन, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, 2022, पृष्ठ 5

आरेख 1: राजस्थान में महिलाओं का स्वास्थ्य (सम्पूर्ण)

यह प्रगति राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवा में सुधार पर ध्यान केन्द्रित करने से हुई है जिसमें मुख्यमंत्री निःशुल्क दावा योजना और मुख्यमंत्री निःशुल्क निदान योजना, जो की वर्ष 2011 में शुरू की गई थी, का प्रमुख योगदान है। इन योजनाओं ने राज्य में अधिक सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, महिलाओं के स्वास्थ्य को उन पहलों द्वारा भी समर्थित किया गया है जिनसे चिकित्सा व्यवहरन करने में उनकी वित्तीय और निर्णय लेने की स्वतंत्रता में वृद्धि हुई है।

राजस्थान में महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार इस तथ्य से भी देखा जा सकता है कि एनएफएचएस-4 तथा एनएफएचएस-5 के बीच राजस्थान में आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री निरोगी राजस्थान योजना जैसे प्रयासों के कारण प्रसवपूर्व देखभाल (16.8 प्रतिशत अंक), मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (28.9 प्रतिशत अंक) और स्वास्थ्य बीमा तक पहुँच (69.1 प्रतिशत अंक) के मानकों में देश में सबसे बड़े सुधारों में से एक हासिल किया है। तीनों ही उपायों में, ये सुधार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में फैले हुए हैं और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में राज्य के नियमित निवेश का परिणाम हैं।



स्रोत: इनसाईट फ्रॉम NFHS-5 फॉर राजस्थान : वीमेन एंड चिल्ड्रन, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, 2022, पृष्ठ 6

आरेख 2: राजस्थान में महिलाओं का स्वास्थ्य (एनएफएचएस-5 के अनुसार शहरी-ग्रामीण में तुलना)

उपर्युक्त आरेख से यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में प्रसवोत्तर देखभाल में शहरी औसत राष्ट्रीय औसत से मात्र 7 अंक कम है जबकि ग्रामीण औसत राष्ट्रीय औसत के बराबर है। इसी प्रकार मासिक धर्म सुरक्षा के स्वच्छ तरीकों के उपयोग में भी राष्ट्रीय एवं शहरी-ग्रामीण औसत में ज्यादा अंतर नहीं है। वहीं दूसरी और संस्थागत प्रसव में ग्रामीण-शहरी एवं राष्ट्रीय औसत में बहुत कम अंतर है। सरकारी संस्थानों में संस्थागत प्रसव के मामले में राजस्थान में ग्रामीण-शहरी औसत राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है जबकि स्वास्थ्य बीमा के मामले में राजस्थान का औसत राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुना है।

इस प्रकार से विशेष रूप से, स्वच्छ मासिक धर्म सुरक्षा तक पहुँच वाली महिलाओं का प्रतिशत और स्वास्थ्य बीमा वाले परिवारों के प्रतिशत में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य बीमा वाले परिवारों का प्रतिशत लगभग 30 प्रतिशत अंकों तक बढ़ा है जबकि स्वास्थ्य बीमा वाले परिवारों का प्रतिशत 20 से बढ़कर 90 हो गया है। परिणामस्वरूप, राजस्थान अब इन मानकों पर राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। सरकार द्वारा वर्ष 2021 में क्रमशः उड़ान योजना और चिरंजीवी योजना के माध्यम से मासिक धर्म स्वास्थ्य और सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा पर अपना ध्यान केन्द्रित करने के साथ, इन संकेतकों में और भी सुधार की संभावना है।

महिलाओं के स्वास्थ्य के मामले में राज्य का प्रदर्शन इसकी कुल प्रजनन दर से भी जुड़ा हुआ है जो वर्ष 2015-16 में 2.4 से घटकर 2019-21 में 2.0 हो गई है जबकि राजस्थान की प्रतिस्थापन प्रजनन दर 2.1 प्रतिशत है। अतः राजस्थान की कुल प्रजनन दर अब प्रतिस्थापन दर से नीचे आ गई है, जिससे राज्य की जनसंख्या स्थिर होने के मार्ग पर है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विवरण से यह निष्कर्ष निकलता है कि राजस्थान में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के लागू होने के पश्चात् महिला स्वास्थ्य के सभी मानकों में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया है जिसमें प्रजनन दर में कमी, संस्थागत प्रसव में वृद्धि, प्रसव पूर्व एवं पश्चात् देखभाल में वृद्धि और टीकाकरण का वृहद् स्तर पर कवरेज प्रमुख हैं।

सन्दर्भ

- वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार
- इनसाईट फ्रॉम NFHS-5 फॉर राजस्थान : वीमेन एंड चिल्ड्रन, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, 2022
- हेल्थ डोसियर 2021: रिफ्लेक्शन ऑन की हेल्थ इंडीकेटर्स-राजस्थान, नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017, महिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
- www.nhm.gov.in
- डिस्ट्रिक्ट फैक्ट शीट, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार